

सदका पुं. (अर.) 1. वह वस्तु जो ईश्वर के नाम पर फकीरों को दान में दी जाए 2. वह वस्तु जो कुदृष्टि या नजर, रोग आदि के निवारण के लिए टोने-टोटके के रूप में किसी के सिर पर से उतार कर किसी को दी जाए या रास्ते में रखी जाए, उतारा 3. निछावर, न्यौछावर।

सदन पुं. (तत्.) 1. निवास स्थान, घर, निकेतन 2. सभा 3. लोकसभा, राज्यसभा या विधानसभा आदि का भवन 4. किसी सभा का सत्र चलते समय उपस्थित सदस्य 5. यज्ञ-भवन 6. शिथिलता, श्रान्ति, क्लान्ति 7. यम का आवास-स्थान 8. एक प्रसिद्ध भगवद्भक्त कसाई।

सदन-त्याग पुं. (तत्.) सदन के किसी प्रस्ताव अथवा निर्णय से या अध्यक्ष की किसी व्यवस्था से असंतुष्ट सदस्यों का विरोध प्रकट करने के लिए सदन छोड़कर बाहर चला जाना।

सदन-नेता पुं. (तत्.) संसद अथवा विधानसभा के सदस्यों द्वारा निर्वाचित वह नेता हो केन्द्रीय सरकार का प्रधानमंत्री अथवा राज्य सरकार का मुख्यमंत्री बनता है और अपने सहयोगी मंत्रियों का चयन कर मंत्रिमंडल बनाता है।

सदन सचिव पुं. (तत्.) विधानसभा या लोकसभा का वह वैतनिक सदस्य जो किसी मंत्री के साथ रहकर उसके समस्त विभागीय कार्यों में सहायता करता है, संसद सचिव।

सदफ स्त्री. (अर.) सीपी।

सदबर्ग पुं. (फा.) 'हजारा गेंदा' नामक फूल।

सदमा पुं. (अर.) 1. धक्का, आघात, चोट दुःख, शोक का आघात 2. मानसिक कष्ट।

सदय वि. (तत्.) दया युक्त, दयालु, कृपालु, दयापूर्ण।

सदर पुं. (अर.) 1. सभापति, अध्यक्ष, प्रधान 2. किसी संस्था या राज्य का प्रधान शासक 3. एक असुर वि. डरा हुआ, भययुक्त।

सदरआला पुं. (अर.) अदालत का वह हाकिम जो पद में जज के नीचे का हो, छोटा जज, मातहत जज।

सदरनशीन पुं. (अर.) मजलिस का, सभा का सभापति।

सदरबाजार पुं. (अर.) छावनी का बड़ा बाजार, बड़ा बाजार, खास बाजार।

सदरी स्त्री. (अर.) बिना आस्तीन की एक प्रकार की कुरती, या बंडी, जो सामान्यतः कपड़ों के ऊपर पहनी जाती है, फतुही, जवाहर बंडी, मिरजई, बास्कट।

सदर्थ पुं. (तत्.) साध्य, मुख्य विषय, पुकरण वि. धनी, मालदार, वास्तविक विषय।

सदर्थना स.क्रि. (तत्.) समर्थन, पुष्टि करना।

सदस पुं. (तत्.) रहने का स्थान, घर, निवास-स्थान।

सदसत् पुं. (तत्.) किसी वस्तु के होने और न होने का भाव, वह जिसका अस्तित्व हो और वह जिसका अस्तित्व न हो, सच्ची और झूठी बात, अच्छाई और बुराई वि. 1. सत् और असत् 2. सच और झूठ 3. अच्छा और बुरा।

सदसद्विवेक पुं. (तत्.) सत् और असत् अर्थात् अच्छे और बुरे की पहचान, भले-बुरे का ज्ञान या विवेक।

सदस्य पुं. (तत्.) किसी सभा, समाज से संबंध रखने वाला व्यक्ति सभ्य, सभासद, सभा या समाज में सम्मिलित व्यक्ति, किसी समुदाय का घटक।

सदस्यता स्त्री. (तत्.) सदस्य होने की स्थिति अथवा भाव।

सदहा पुं. (तत्.) 1. यज्ञ करने वाला, याजक 2. सभासद, सदस्य 3. अनाज लादने की बड़ी बैलगाड़ी वि. सैंकड़ों, बहुत से।

सदा अव्य. (तत्.) 1. नित्य, हमेशा 2. निरंतर, सतत, लगातार।

सदाकत स्त्री. (अ.) सच्चाई, सत्य, सत्यता।

सदाकारी वि. (तत्.) अच्छे आकार वाला जो हमेशा सक्रिय रहे।